स्मार्ट सिटी क्या है

पहला प्रश्न है कि 'स्मार्ट सिटी' से क्या मतलब है। इसका उत्तर यह है कि स्मार्ट सिटी की ऐसी कोई परिभाषा नहीं है जिसे सर्वत्र स्वीकार किया जाता है। अलग-अलग लोगों के लिए इसका आशय अलग-अलग होता है। अतः स्मार्ट सिटी की संकल्पना, शहर-दर-शहर और देश-दर-देश भिन्न होती है जो विकास के स्तर, परिवर्तन और सुधार की इच्छा, शहर के निवासियों के संसाधनों और उनकी आकांक्षाओं पर निर्भर करता है। ऐसे में, स्मार्ट सिटी का भारत में अलग अर्थ होगा, जैसे कि यूरोप से। भारत में भी स्मार्ट सिटी को परिभाषित करने का कोई एक तरीका है।

इस मिशन में शहरों के मार्गदर्शन करने के लिए कुछ पारिभाषिक सीमाएं अपेक्षित हैं। भारत में किसी भी शहर निवासी की कल्पना में, स्मार्ट शहर तस्वीर में ऐसी अवसंरचना एवं सेवाओं की अभीष्ट सूची होती है जो उसकी आकांक्षा के स्तर को वर्णित करती है। नागरिकों की आकांक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए, शहरी योजनाकार को लक्ष्य आदर्श तौर पर पूरे शहरी पारिस्थितिकी तंत्र का इस प्रकार विकास करना होता है, जो व्यापक विकास के चार स्तंभों-संस्थागत, भौतिक, सामाजिक और आर्थिक अवसंरचना में दिखाई देता है। यह दीर्घावधिक लक्ष्य हो सकता है और शहर 'स्मार्टनेस' की परते जोड़ते हुए संवर्धित रूप से ऐसी व्यापक अवसंरचना तैयार करने की दिशा में कार्य कर सकते हैं।

स्मार्ट सिटी मिशन की अप्रोच में, उद्देश्य ऐसे शहरों को बढ़ावा देना है जिनमें मूलभूत अवसंरचना है और अपने नागरिकों को शानदार गुणवत्ता वाला जीवन, स्वच्छ और स्थिर वातावरण और 'स्मार्ट' समाधानों की प्रयोजनीयता दे सके। इसमें स्थिर और समावेशी विकास पर फोकस किया गया है और विचार है कि छोटे क्षेत्रों पर फोकस किया जाए, **प्रतिकृति मॉडल बनाए जाएं जो अन्य आकांक्षी शहरों के लिए दीपस्तंभ का काम करें**। सरकार का स्मार्ट सिटिज मिशन एक साहसी, नई पहल है। इसका उद्देश्य ऐसे उदाहरण स्थापित करना है जिनकी स्मार्ट सिटी के

भीतर और बाहर, दोनों जगह नकल की जा सके, जिनसे देश के विभिन्न प्रदेशों एवं भागों में सदृश स्मार्ट सिटीज के सृजन उत्प्रेरित हों।

स्मार्ट शहर में मूलभूत अवसंरचना तत्वों में शामिल हैं:

i. पर्याप्त जल आपूर्ति,

ii. बिजली आपूर्ति का आश्वासन,

iii. स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित,

iv. कुशल शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक परिवहन,

v. किफायती आवास, विशेष रूप से गरीबों के लिए,

vi. मजबूत आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलीकरण,

vii. सुशासन, विशेष रूप से ई-गवर्नेंस और नागरिकों की भागीदारी,

viii. सतत पर्यावरण,

ix. सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों, तथा

x. स्वास्थ्य और शिक्षा।

जहां तक स्मार्ट समाधानों का संबंध है, एक विस्तृत सूची नीचे दी गई है। तथापि, यह एक पूरी सूची नहीं है, और शहर अधिक एप्लीकेशन्स जोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं।

तदनुसार, स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य स्थानीय क्षेत्र के विकास को साकार कर और तकनीक का उपयोग कर, विशेषकर ऐसी तकनीकी जिसके स्मार्ट परिणाम मिले, आर्थिक विकास को बढावा देना और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। क्षेत्र-आधारित विकास से मलीन बस्तियों को बेहतर नियोजित शहरों में रूपांतरित करने सहित मौजूदा क्षेत्रों का कायांतरण (पुनः संयोजन और पुनः विकास) होगा। शहरी क्षेत्रों की बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए शहरों के ईर्द-गिर्द नए क्षेत्र (हरित-क्षेत्र) विकसित किए जाएंगे। स्मार्ट समाधानों के प्रयोग से शहर सवसंरचना और सेवाओं में सुधार करने हेतु तकनीक, सूचना और आंकडों का उपयोग कर सकेंगे। इस तरह से व्यापक विकास से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, रोजगार सृजित होगा और सभी, विशेषकर गरीब एवं उपेक्षित लोगों की आय में बढ़ोत्तरी होगी जिससे शहर समावेशी बनेंगे।